Literacy for a Billion

Movie: Sharmilee
Year: 1971

Song: Khilte hai gul yahan
Lyricist: Neeraj

हूँ ...

खिलते हैं गुल यहाँ
खिल के बिखरने को
मिलते हैं दिल यहाँ
मिल के बिछड़ने को
खिलते हैं गुल यहाँ
खिल के बिखरने को
खिलते हैं गुल यहाँ

कल रहे ना रहे
मौसम ये प्यार का
कल रुके ना रुके
डोला बहार का
कल रहे ना रहे
मौसम ये प्यार का
कल रुके ना रुके
डोला बहार का
चार पल मिले जो आज
प्यार में गुज़ार दे
खिलते हैं गुल यहाँ
खिल के बिखरने को
मिलते हैं दिल यहाँ
मिल के बिछड़ने को
खिलते हैं

हो ओ हो ओ हो हो हा

हो...

झीलों के होंठों पर
मेघों का राग है
फूलों के सीने में
ठंडी-ठंडी आग है
झीलों के होठों पर
मेघों का राग है
फूलों के सीने में
ठंडी-ठंडी आग है
दिल के आईने में तू
ये समाँ उतार ले

खिलते हैं गुल यहाँ
खिल के बिखरने को
मिलते हैं दिल यहाँ
मिल के बिछड़ने को
खिलते हैं गुल यहाँ

प्यासा है दिल सनम
प्यासी ये रात है
होंठों में दबी-दबी
कोई मीठी बात है
प्यासा है दिल सनम
प्यासी ये रात है
होंठों में दबी-दबी
कोई मीठी बात है
इन लम्हों पे आज तू
हर खुशी निसार दे

खिलते हैं गुल यहाँ

खिल के बिखरने को
मिलते हैं दिल यहाँ
मिल के बिछड़ने को
खिलते हैं गुल यहाँ

Disclaimer: PlanetRead does not own these lyrics and is not using them for any commercial purpose. For over 20 years, PlanetRead has been subtitling Bollywood songs for mass literacy. These lyrics are being offered as part of PlanetRead's literacy development initiative.

PlanetRead is a tax-exempt, not-for-profit: 501(c) (3) in the United States and 80(G) in India.